हिंदी विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
एम0ए0 पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध का हिंदी पाठ्यक्रम
(2014–2015 से प्रभावी)
एम0ए0 पूर्वार्द्ध : हिंदी

एम0ए0 हिंदी का पाठ्यक्रम द्विवर्षीय है, जिसमें **चार सेमेस्टर** हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का है। लिखित परीक्षा के लिए **75 अंक** और आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) के लिए **25 अंक** निर्धारित किए गए हैं।

प्रथम सत्रार्ध (First Semester)

प्रथम प्रश्न–पत्र
आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य **पूर्णांक : 100**
(75+25)
निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :
1. अब्दुल रहमान : **संदेश रासक**, संपा0 डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रकम)
2. चंदवरदाई : **कयमास–वध**, संपा0 राजेश्वर चतुर्वेदी, प्रकाशन केन्द्र, सीतापुर रोड, लखनऊ।
3. **विद्यापति** : संपा0 शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल प्रार्थना एवं रूप वर्णन), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कबीरदास : **कबीर वाणी पीयूष,** संपा0 जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 50 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 10 पद केवल साखी भाग), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. मलिक मुहम्मद जायसी : **जायसी ग्रंथावली,** संपा0 रामचंद्र शुक्ल; (व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड)।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पाठ्य पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :
1. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य– डॉ0 नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. विद्यापति– डॉ0 शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. युगद्रष्टा कबीर– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी (नैनीताल)।
4. कबीर चिंतन– ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कबीर मीमांसा– डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. कबीर : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. जायसी : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. पद्मावत् का अनुशीलन– इन्द्रचंद्र नारंग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. सूफीमत और हिंदी सूफी काव्य– डॉ0 नरेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

द्वितीय प्रश्न–पत्र

सगुण काव्य एवं रीतिकालीन काव्य : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. सूरदास : **भ्रमरगीत सार :** संपा0 आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 100 तक), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. तुलसीदास : **विनयपत्रिका** : तुलसीदास (व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 100 तक), गीताप्रेस गोरखपुर।
3. केशवदास : **संक्षिप्त रामचन्द्रिका** : संपा0 डॉ0 रामचंद्र तिवारी। (व्याख्या हेतु प्रारंभिक पाँच प्रकाश– 1. मंगलाचरण, 2. अयोध्यापुरी वर्णन, 3. सीता स्वयंवर, 4. परशुराम संवाद, 5. वन मार्ग में राम), रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग आगरा।
4. बिहारी : **बिहारी नवनीत** : संपा0 रवीन्द्र कुमार जैन (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 50 दोहे), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
5. घनानंद : **घनानंद कवित्त** : संपा0 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 20 छंद)

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पाठ्य पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. सूरदास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सूरदास– डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
3. सूर की काव्यकला– मनमोहन गौतम।
4. सूर सूर, तुलसी ससी– डॉ0 राकेशगुप्त, ग्रंथायन, अलीगढ़।
5. वैष्णव धर्म सम्प्रदायों के दार्शनिक सिद्धांत एवं कृष्ण भक्ति काव्य– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
6. कृष्णकथाः एक ऐतिहासिक अध्ययन– डॉ0 उमा भट्ट।
7. तुलसी की साहित्य साधना– डॉ0 लल्लन राय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

8. तुलसीदास– डॉ0 रामचंद्र तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. तुलसी काव्य–मीमांसा– डॉ0 उदयभानु सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. लोक कवि तुलसी– सरला शुक्ल, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
11. केशव और उनका साहित्य– डॉ0 विजयपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
12. केशवदास– डॉ0 विजयपालसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. बिहारी का नया मूल्यांकन– डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी– रामसागर त्रिपाठी।
15. बिहारी की वाग्विभूति– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
16. बिहारी का नया मूल्यांकन– डॉ0 बच्चनसिंह।

तृतीय प्रश्नपत्र

भारतीय काव्यशास्त्र : **पूर्णांक : 100 (75 +25)**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. काव्यशास्त्र : परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य भेद।
2. काव्य संप्रदाय : रस संप्रदाय : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, अलंकार संप्रदाय, रीति संप्रदाय, ध्वनि संप्रदाय, वक्रोक्ति संप्रदाय एवं औचित्य संप्रदाय।
3. हिंदी आलोचना : विकास, प्रमुख हिंदी आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत (आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 रामविलास शर्मा, डॉ0 नामवर सिंह)।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ

1. भारतीय काव्यशास्त्र– डॉ0 विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. ध्वनि–सिद्धांत– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. साहित्य और समालोचना– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. रीतिकालीन काव्यशास्त्रीय शब्दकोश– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, अभिनव प्रकाशन, आगरा।
5. रीतिकालीन साहित्यशास्त्र कोश– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
6. रीतिशास्त्र के प्रतिनिधि आचार्य– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

7. हिंदी समीक्षा में रससिद्धांत– डॉ0 नीरजा टण्डन, ग्रंथायन, सासनी गेट, अलीगढ़।
8. राकेश गुप्त का रस–विवेचन– डॉ0 नीरजा टण्डन, ग्रंथायन, सासनी गेट, अलीगढ़।
9. शैलीज्ञिान– डॉ0 नीरजा टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
10. काव्य शास्त्र के सिद्धांत– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान– डॉ0 हरिमोहन, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
12. कविता के नए प्रतिमान– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. साहित्य एवं संस्कृति : चिंतन के नये आयाम– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा,
14. भारतीय काव्यशास्त्र– तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. महाकाव्य विमर्श– विष्णु खरे (सं0), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. काव्यशास्त्र के मानदण्ड– रामनिवास गुप्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द – डॉ0 बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. आलोचना और आलोचना– देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत– योगेन्द्रप्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
20. हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार– डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
21. हिंदी आलोचना के नये वैचारिक सरोकार– डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
22. हिंदी साहित्य शास्त्र– नंदकिशोर नवल (सं0) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
23. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन– शिकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
24. नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परम्परा– कमला प्रसाद (सं0) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
25. साहित्य समीक्षा और मार्क्सवाद – डॉ0 कुँवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
26. सौंदर्य शास्त्रीय समीक्षा– एस0टी0 नरसिम्हाचारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
27. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
28. रस–सिद्धांत– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
29. नई समीक्षा– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
30. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ0 गणपति चंद्र गुप्त।
31. शैलीविज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, दिल्ली।
32. बीसवीं शताब्दी की हिंदी आलोचना– डॉ0 निर्मला जैन।
33. रस सिद्धांत– डॉ0 ऋषिकुमार चतुर्वेदी, ग्रंथायन, अलीगढ़।
34. काव्य निर्णय– भिखारीदास।
35. साहित्यानुशीलन– डॉ0 राकेश गुप्त, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
36. शुक्लोत्तर समीक्षा के नए प्रतिमान– डॉ0 विश्वम्भरनाथ उपाध्याय।

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

पूर्णांकः 100 (75+25)
हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल से रीतिकाल तक :
निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल : नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ–सिद्ध साहित्य परंपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।
2. मध्यकाल : भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।
3. भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा : रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।
4. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ–परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।

अंक विभाजन

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल– हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार, नई दृष्टि– सुरेश कुमार जैन (सं0) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1–2) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. साहित्य की इतिहास दृष्टि– प्रभाकर श्रोत्रिय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास– डॉ0 भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भागः 1–2)– डॉ0 गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास– हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. रीतिशास्त्र के प्रतिनिधि आचार्य– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली–7।

10. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ0 नगेन्द्र।

11. उर्दू साहित्य का इतिहास– दुर्गाशंकर मिश्र।

एम0ए0 हिंदी का पाठ्यक्रम द्विवर्षीय है, जिसमें **चार सेमेस्टर** हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का है। लिखित परीक्षा के लिए **75 अंक** और आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) के लिए **25 अंक** निर्धारित किए गए हैं।

द्वितीय सत्रार्ध (Second Semester)

पंचम प्रश्न–पत्र

आधुनिक हिंदी काव्य (छायावाद तक) : **पूर्णाक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. जगन्नाथदास 'रत्नाकर' : **उद्धत शतक** (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 पद), नागरी प्रचारिणी सभी काशी।
2. मैथिलीशरण गुप्त : **साकेत** (व्याख्या के लिए केवल नवम सर्ग), साकेत प्रकाशन, चिरगाँव झाँसी।
3. जयशंकर प्रसाद : **कामायनी** (व्याख्या के लिए केवल श्रद्धा और इड़ा सर्ग), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : **राग–विराग**, संपा0 रामविलास शर्मा (व्याख्या के लिए **'राम की शक्तिपूजा**), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।
5. सुमित्रानंदन पंतः **रश्मिबंध** (व्याख्या के लिए प्रारंभिक 15 कविताएँ), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. महादेवी वर्मा : **संधिनी** (व्याख्या के लिए कविता संख्या 25 से 40 तक), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।

अंक विभाजन

(1) उक्त सभी पाठ्य पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. मैथिलीशरण गुप्तः प्रासंगिकता के अंतःसूत्र– डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में अलंकार विधान– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, ग्रंथायन, अलीगढ़।
3. साकेत : एक अध्ययन– डॉ0 नगेन्द्र।
4. साकेत के नवम् सर्ग का काव्य वैभव– कन्हैया लाल।
5. मैथिलीशरण गुप्त का साहित्य– द्वारिका प्रसाद मीतल।
6. प्रसाद का काव्य– डॉ0 प्रेमशंकर, रामकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रसाद, निराला, अज्ञेय तथा कामायनी का पुनर्मूल्यांकन– रामस्वरूप चतुर्वेदी।
8. प्रसाद काव्य में ध्वनि तत्व– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली–7
9. प्रसाद, निराला–अज्ञेय– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. प्रसाद और वर्ड्सवर्थ के गीतिकाव्य का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ0 रंजना पोखरिया, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
11. कामायनी पर शैवदर्शन का प्रभाव– डॉ0 राजकुमार गुप्त।
12. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
13. कामायनी : एक पुनर्विचार– मुक्तिबोध।
14. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. निराला की साहित्य–साधना (भाग 1, 2 तथा 3)– रामविलास शर्मा।
16. निराला : आत्महंता व्यक्तित्व– दूधनाथ सिंह।
17. क्रांतिकारी कवि निराला– बच्चन सिंह।
18. सुमित्रानंदन पंत– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
19. सुमित्रानंदन पंत के साहित्य का ध्वनिवादी अध्ययन– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, ग्रंथायन, अलीगढ़।
20. महादेवी वर्माः नया मूल्यांकन– गणपति चंद्र गुप्त।
21. छायावाद– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
22. छायावाद– डॉ0 रमेशचंद्र शाह।
23. छंदशास्त्र के सिद्धांत और छायावादी काव्य में छंद योजना (भागः 1–2)– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
24. हिंदी भाषा एवं साहित्य : एक अंतर्यात्रा– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
25. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य– डॉ0 प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

षष्ठ प्रश्न–पत्र

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : संक्षिप्त परिचय, प्लेटो के काव्य सिद्धांत, अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धात एवं त्रासदी विवेचन, लोंजाइन्स : उदात्त की अवधारणा एवं भेद।

2. मैथ्यू आर्नल्ड : कला और नैतिकता का सिद्धांत, क्रोचे : अभिव्यंजनावाद, आई0 ए0 रिचर्ड्स : काव्य मूल्य, टी0 एस0 इलियट : कला की निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।

3. वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा सिद्धांत, कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत।

4. विविध वाद : स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ0 तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. काव्य चिंतन की पश्चिमी परम्परा– डॉ0 निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. उदात्त के विषय में– डॉ0 निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार– देवीशंकर नवीन (सं0) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. शैलीविज्ञान– डॉ0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. शैली और शैली विश्लेषण– पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. उत्तर आधुनिकता : बहुआयामी संदर्भ– पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु,', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ– डॉ0 सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत– डॉ0 गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा– डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ– डॉ0 सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

11\. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

12\. अरस्तू का काव्यशास्त्र– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

13\. बीसवीं शताब्दी की हिंदी आलोचना– डॉ0 निर्मला जैन।

14. साहित्यानुशीलन– डॉ0 राकेश गुप्त, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
15. काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. आधुनिक हिंदी साहित्य में आलोचना का विकास– डॉ0 राजकिशोर।

सप्तम प्रश्न–पत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) : **पूर्णांक : 100 (75+75)**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : भारतेन्दु युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ ।
2. छायावाद : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्य : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
3. हिंदी गद्य साहित्य का विकास : नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।
4. हिंदी का स्मारक साहित्य : संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास– डॉ0 मधुवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ0 रामसजन पाण्डे, नील कमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास– डॉ0 बच्चन सिंह, नीलकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास– डॉ0 विश्नाथ त्रिपाठी, ओरियण्टल ब्लैक स्वान, हिमायतनगर, हैदराबाद।
5. हिंदी साहित्य का उत्तरवर्ती काल– सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ0 वियजेन्द्र स्नातक, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।

अष्टम प्रश्न–पत्र

हिंदी कथा एवं नाटक साहित्य : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. प्रेमचंद : **गोदान**, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
2. हिमांशु जोशी : **कगार की आग**, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
3. सं0 बटरोही : **हिंदी कहानी के नौ कदम**, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा ।
4. जयशंकर प्रसाद : **स्कन्दगुप्त**, लीडर प्रेस, इलाहाबाद।
5. मोहन राकेश : **लहरों के राजहंस**, राधाकृष्ण प्रकशन नई दिल्ली।
6. संपा0 राकेश गुप्त एवं चतुर्वेदी : **एकांकी मानस** (संक्षिप्त संस्करण), ग्रंथायन, अलीगढ़।

अंक विभाजन :

(1) उक्त पुस्तकों में से '**गोदान', 'हिंदी कहानी के नौ कदम**' तथा '**स्कंदगुप्त**' से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी : 3 X 10 = 30 अंक

(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न : 2 X 10 = 20 अंक

(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न : 5 X 3 = 15 अंक

(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक

(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. कहानी के नये प्रतिमान– कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच– डॉ0 नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद : विरासत का सवाल– डॉ0 शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिमांशु जोशी का कथा साहित्य– डॉ अनिल सालुखे, नील कमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. हिंदी कहानीः पहचान और परख–डॉ0 इन्द्रनाथ मदान (सं.), भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
7. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान (सं0), भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
8. हिंदी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान (सं.), भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
9. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना– डॉ0 गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

10. हिंदी एकांकी– सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
12. स्कन्दगुप्त एक नया मूल्यांकन– डॉ0 राजकुमार गुप्त।
13. मोहन राकेश के नाटक– डॉ0 सुषमा ग्रेवाल।
14. प्रेमचंद की प्रासंगिकता– अमृत राय।
15. कहानी : नई कहानी– डॉ0 नामवर सिंह।
16. कहानी : रचना प्रक्रिया और स्वरूप– डॉ0 बटरोही।
17. कहानी : संवाद का तीसरा आयाम– डॉ0 बटरोही।
18. कहानी का रचना–विधान– डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव।
19. वर्तमान हिंदी महिला कथा–लेखन और दाम्पत्य जीवन– डॉ0 साधना अग्रवाल।
20. समकालीन कहानी– डॉ0 सविता मोहन।
21. गोदान : एक नव्यदृष्टि– डॉ0 शैलेश जैदी।

एम0ए0 हिंदी का पाठ्यक्रम द्विवर्षीय है, जिसमें **चार सेमेस्टर** हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का है। लिखित परीक्षा के लिए **75 अंक** और आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) के लिए **25 अंक** निर्धारित किए गए हैं।

तृतीय सत्रार्ध (Third Semester)

नवम प्रश्न–पत्र

आधुनिक हिंदी काव्य (छायावादोत्तर) : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. रामधारी सिंह दिनकर : **उर्वशी** (व्याख्या के लिए केवल तृतीय सर्ग)। प्रकाशक : उदयांचल प्रकाशन, राजेन्द्र नगर, पटना।
2. वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' : **नागार्जुन' की प्रतिनिधि कविताएँ,** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. संपादक : डॉ0 मधुबाला नयाल : **समय राग**। (व्याख्या हेतु सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर, नरेश मेहता, केदारनाथ सिंह, अशोक वाजपेयी, लीलाधर जगूड़ी और अरुण कमल की सभी रचनाएँ), ज्ञानोदय प्रकाशन, नैनीताल।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. उर्वशी : विचार और विश्लेषण– डॉ0 वचनदेव कुमार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
2. दिनकर की उर्वशी– रमाशंकर तिवारी।
3. छायावादोत्तर हिंदी कविता : एक अंतर्यात्रा– डॉ0 मधुबाला नयाल, ग्रंथायन, अलीगढ़।
4. छायावादोत्तर हिन्दी कविता के प्रतिमान– डॉ0 निर्मला ढैला बोरा, आधारशिला प्रकाशन, हल्द्वानी।
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ– डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आधुनिक कविता यात्रा– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. साहित्य और समालोचना– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. साहित्य प्रसंग : विचार और विश्लेषण– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

9. लिखत–पढ़त– डॉ0 शिरीष कुमार मौर्य, शाइनिंग स्टार एवं अनुनाद, रामनगर (नैनीताल)।
10. कई उम्रों की कविता– डॉ0 शिरीष कुमार मौर्य, एससीएफ 267, सेक्टर 16, पंचकूला, हरियाणा।
11. ख़्वाब की तफ़सील– डॉ0 शिरीष कुमार मौर्य, एससीएफ 267, सेक्टर 16, पंचकूला, हरियाणा।
12. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी।
13. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब–विधान का विकास– केदारनाथ सिंह।
14. कविता के नए प्रतिमान– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

दशम प्रश्न–पत्र

भाषा विज्ञान : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. भाषा और भाषा विज्ञान : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक–प्रकार्य, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता।
2. स्वन प्रक्रिया : स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।
3. रूपप्रक्रिया : रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद : मुक्त–आबद्ध, अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ–अवयव विश्लेषण, गहन संरचना और बाह्य संरचना।
4. अर्थविज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ–परिवर्तन।

अंक विभाजन

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न : 3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न : 5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक भाषा विज्ञान– डॉ0 राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भरतीय भाषा विज्ञान– आचार्य किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भाषा, भाषा विज्ञान और राजभाषा हिंदी– महेन्द्रनाथ दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. आधुनिक भाषा विज्ञान– कृपाशंकर सिंह/चतुर्भज सहाय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत– रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आधुनिक भाषा विज्ञान– भोलानाथ तिवारी, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।

एकादश प्रश्न–पत्र

निबंध एवं स्मारक साहित्य : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. नीरजा टंडन : **हिंदी के सर्वश्रेष्ठ निबंध,** शाइनिंग स्टार पब्लिकेशन, रामनगर (नैनीताल)।
2. महादेवी वर्मा : **पथ के साथी**, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. केशवदत्त रुवाली/जगतसिंह बिष्ट : **स्मारक साहित्य संग्रह**, तारामंडल प्रकाशन, अलीगढ़।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी स्मारक साहित्य– डॉ0 केशवदत्त रुवाली एवं डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, तारामण्डल, अलीगढ़।
1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का निबंध साहित्य : एक अध्ययन– डॉ0 रूपा आर्या, पब्लिशिंग एण्ड इंस्टीट्यूट दिल्ली।
2. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ– डॉ0 निर्मला ढैला एवं डॉ0 रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़।

द्वादश प्रश्नपत्र

(क) हिंदी भाषा : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत : शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।
2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार : हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ, कुमाउनी और गढ़वाली की विशेषताएँ।
3. हिंदी का भाषिक स्वरूप : हिंदी शब्द रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समास, रूपरचना–लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप, हिंदी वाक्य–रचना, पदक्रम और अन्विति।
4. हिंदी के विविध रूप : सपंर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यमभाषा, संचार भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति।
5. हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ : आँकड़ा–संसाधन और शब्द–संसाधन, वर्तनी–शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा–शिक्षण।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न : 3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न : 5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप– डॉ0 राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी भाषा की संरचना– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी भाषा का इतिहास– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास– डॉ0 उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान– आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. हिंदी भाषा एवं साहित्य : एक अंतर्यात्रा– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।

अथवा

(ख) कुमाउनी भाषा :

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. कुमाऊँ शब्द की व्युत्पत्ति : विभिन्न मत, कुमाऊँ शब्द की मानक वर्तनी।
2. कुमाउनी भाषा का उद्भव और विकास, कुमाउनी भाषी क्षेत्र, कुमाउनी की विविध बोलियाँ, पूर्वी कुमाउनी और पश्चिमी कुमाउनी में अंतर।
3. कुमाउनी का व्याकरणिक स्वरूप : वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी, लिपि।
4. कुमाउनी शब्द संपदा (शब्दसमूह), इतिहास तथा रचना के आधार पर कुमाउनी शब्दों का वर्गीकरण, कुमाउनी में कोश विषयक कार्य।
5. कुमाउनी और अन्य आधुनिक भारतीय भाषाओं में पारस्परिक आदान–प्रदान : कुमाउनी–गढ़वाली, कुमाउनी–राजस्थानी, कुमाउनी–मराठी, कुमाउनी–बंगाली, कुमाउनी–गुजराती, कुमाउनी–नेपाली।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्भव एवं विकास– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

2. कुमाउनी (सहभाषा श्रृंखला)– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
3. कुमाऊँ हिमालय की बोलियों का सर्वेक्षण– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
4. उत्तरांचलः भाषा एवं साहित्य का संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
5. कुमाउनी भाषा का उद्‌भव और विकास और उसका भाषा वैज्ञानिक अध्ययन– डॉ0 देवसिंह पोखरिया एवं डॉ0 भगतसिंह, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
6. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
7. कुमाउनी की उपबोली अस्कोटी का व्याकरण– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
8. कुमाउनी, गुजराती मराठी कोश– डॉ0 चंद्रकला रावत, कंसल बुक डिपो, नैनीताल।
9. कुमाउनी, गुजराती और मराठी समस्रोतीय–समानार्थी शब्दकोश– डॉ0 चंद्रकला रावत, ग्रंथायन, सर्वोदय नगर, सासनी गेट, अलीगढ़।
10. कुमाउनी भाषा और संस्कृति– डॉ0 केशवदत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।

हिंदी विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
(2014–2015 से प्रभावी)

एम0ए0 हिंदी का पाठ्यक्रम द्विवर्षीय है, जिसमें **चार सेमेस्टर** हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का है। लिखित परीक्षा के लिए **75 अंक** और आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) के लिए **25 अंक** निर्धारित किए गए हैं।

चतुर्थ सत्रार्ध (Fourth Semester)

त्रयोदश प्रश्न–पत्र

(क) कुमाउनी साहित्य : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :

1. सं0 डॉ0 दिवा भट्ट : **पछ्याण**, श्री अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
2. डॉ0 शेरसिंह बिष्ट : **इजा**। (व्याख्या हेतु– 1. बा्ट, 2. चाणै में छुँ, 3. का्स छी उँ मैंस, 4. रितु बदव, 5. हे राम, 6. गौं–घर, 7. शहरी गौंक दुदी, 8. उन दिन, 9. नई सुराज, 10. इजा।) प्रकाशक : गोपेश प्रकाशन, अल्मोड़ा।
3. बहादुर बोरा 'श्रीबंधु' : **मन्याडर**, कुमाउनी भाषा–साहित्य प्रचार–प्रसार समिति, अल्मोड़ा।
4. डॉ0 शेरसिंह बिष्ट : **मन्खि,** अविचल प्रकाशन, बिजनौर (उ0प्र0)।
5. सं0 दामोदर जोशी : **आपण पन्यार**, जगदम्बा कम्प्यूटर्स, कालाढूँगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल)।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
2. कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्भव एवं विकास– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
3. कुमाउनी (सहभाषा शृंखला)– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।

4. उत्तराखण्ड के रचनाकार एवं रचनाएँ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
5. कुमाउनी कहावतें एवं मुहावरे : विविध संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
6. कुमाऊँ हिमालय : समाज एवं संस्कृति– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी।
7. कुमाउनी–हिंदी कहावत कोश– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
8. कुमाउनी लोकसाहित्य, संस्कृति, भाषा एवं साहित्य– डॉ0 पुष्पलता भट्ट, नीलकमल प्रकाशन, दिल्ली।

अथवा

(ख) उत्तराखण्ड के हिंदी कवि

पूर्णांक : 100 (75+25)
निर्धारित पाठ्यपुस्तक :
उत्तराखण्ड के हिंदी कवि (1. गुमानी 2. चंद्रकुँवर बर्त्वाल 3. लीलाधर जगूड़ी 4. मंगलेश डबराल, 5. वीरेन डंगवाल 6. हरीशचंद्र पाण्डेय)– संपा0 प्रो0 दिवा भट्ट, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :
1. उत्तराखण्ड के रचनाकार एवं रचनाएँ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
2. उत्तरांचल : भाषा एवं साहित्य का संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।

3. उत्तराखण्ड के रचनाकार और उनका साहित्य– (सं0) डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।
4. उत्तराखण्ड के रचनाकार : मेरा रचना संसार– (सं0) डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।

अथवा

(ग) उत्तराखण्ड के हिंदी कथाकार :

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :

(क) उपन्यासकार :

1. मनोहरश्याम जोशी : **कसप** (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रमेशचंद्र शाह : **गोबर गणेश** (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(ख) कहानी–संग्रह :

3. **पाँच कहानियाँ** (1. दुष्कर्मी– इलाचन्द्र जोशी, 2. रज्जो– रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 3. हलवाहा– शेखर जोशी, 4. बीच की दरार– गंगाप्रसाद 'विमल', 5. अ–रचित– दिवा भट्ट)– संपा0
डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, प्रकाश प्रकाशन, चौघानपाटा, अल्मोड़ा।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. उत्तराखण्ड के रचनाकार एवं रचनाएँ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
2. उत्तरांचल : भाषा एवं साहित्य का संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स,
दिल्ली।
3. उत्तराखण्ड के रचनाकार और उनका साहित्य– (सं0) डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।

4. उत्तराखण्ड के रचनाकार : मेरा रचना संसार– (सं0) डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।
5. साहित्य सृजन के कुछ संदर्भ– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
6. साहित्य प्रसंग : विचार और विश्लेषण– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
7. मनोहरश्याम जोशी का उपन्यास साहित्य– डॉ0 ममता पंत, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
8. रमाप्रसाद घिल्डियाल पहाड़ी के कथा साहित्य में मानव मूल्य– डॉ0 बचन लाल, विजया बुक्स,
शहादरा नई दिल्ली।
9. कुमाऊँ के प्रमुख कहानीकार और उनका कहानी साहित्य– डॉ0 चंद्रकला वर्मा, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।
10. रमेशचंद्र शाह और उनका रचना संसार– डॉ0 माया जोशी, आधारशिला प्रकाशन, हल्द्वानी नैनीताल।

अथवा

चतुर्दश प्रश्नपत्र

(घ) लोक साहित्य

पूर्णांक : 100 (75+25)
निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. लोक और लोक–वार्त्ता, लोक–विज्ञान।
2. लोक संस्कृति और साहित्य
3. लोक साहित्य का स्वरूप
4. अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतःसंबंध।
5. लोक साहित्य की अध्ययन–प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।
6. लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण : लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरे, पहेलियाँ, लोक संगीत।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(3) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. उत्तराखण्डः लोकसंस्कृति और साहित्य– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इण्डिया।
2. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
3. कुमाउनी कहावतें एवं मुहावरे : विविध संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
4. कुमाउनी (सहभाषा शृंखला)– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
5. कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्भव एवं विकास– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी,
6. लोकसाहित्य विज्ञान– डॉ0 सत्येन्द्र, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

अथवा

(ङ) कुमाउनी लोक साहित्य

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :

1. सं0 देवसिंह पोखरिया : **न्यौली सतसई,** (व्याख्या हेतु प्रारंभ के 300 छंद), कंसल बुक डिपो, नैनीताल।
2. सं0 देवसिंह पोखरिया : **कुमाउनी लोक साहित्य**, (व्याख्या हेतु न्यौली को छोड़कर सभी लोकगीत) मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद्, भोपाल।
3. डॉ0 प्रयाग जोशी : **कुमाउनी लोक गाथाएँ** (प्रथम भाग) (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 6 लोकगाथाएँ), किशोर एण्ड संस, देहरादून ।
4. डॉ0 प्रभा पंत : **कुमाउनी लोककथा,** (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 10 लोककथाएँ), अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
5. डॉ0 कृष्णानंद जोशी : **कुमाऊँ का लोक साहित्य**, (व्याख्या हेतु केवल धार्मिक गीत), प्रकाश बुक डिपो, बरेली।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
2. कुमाउनी लोक साहित्य तथा कुमाउनी साहित्य– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
3. उत्तराखण्ड : लोकसंस्कृति और लोक साहित्य– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इण्डिया।
4. कुमाउनी लोकगीतों में छंद योजना– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
5. उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ– डॉ0 दिवा भट्ट, प्रकाश प्रकाशन, अल्मोड़ा।
6. कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्भव एवं विकास– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी, (नैनीताल)।
7. कुमाउनी कहावतें एवं मुहावरे : विविध संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
8. कुमाऊँ हिमालय : समाज एवं संस्कृति– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (नैनीताल)।

अथवा

(च) भारतीय साहित्य

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यक्रम :

प्रथम खंड :

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
4. भारतीयता का समाजशास्त्र
5. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

द्वितीय खंड :

1. दाक्षिणात्य भाषा वर्ग : मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़।
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग : उड़िया, बँगला, असमिया, मणिपुरी।
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग : मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, उर्दू।

तृतीय खंड

1. बँगला साहित्य और हिंदी
2. मलयालम साहित्य और हिंदी
3. मराठी साहित्य और हिंदी

4. गुजराती और हिंदी
(नोटः उक्त भाषा वर्गों में विद्यार्थी किसी एक भाषा वर्ग के इतिहास का अध्ययन करेगा जो उसकी
प्रांतीय/क्षेत्रीय भाषा से भिन्न होगी।)

चतुर्थ खंड :

पाठ्यपुस्तकें :

1. अग्निगर्भ (बंगला)– महाश्वेता देवी
2. कोच्चिन के दरख्त (मलयालम)– के0जी0 शंकरपिल्लै
3. घासीराम कोतवाल (मराठी)– विजय तेंदुलकर
4. जसमा ओड़न (गुजराती)– शांता गाँधी

(नोट : उक्त पुस्तकों से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य– डॉ0 राम छबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतीय काव्य–विमर्श– डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतीय काव्य में सर्वधर्म समभाव– डॉ0 नगेन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. दक्षिण भारत में हिंदी का अध्ययन–अध्यापन : विविध आयाम– आलोक पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. तेलुगू साहित्य : संदर्भ और समीक्षा– डॉ0 एस0टी0 नरसिम्हाचारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. तेलुगु साहित्य का संक्षिप्त इतिहास एवं तुलनात्मक साहित्य– डॉ0 क्रांति मुदिराज, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य– इन्द्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. बंगला साहित्य का इतिहास– कल्याणी दास गुप्ता, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
9. दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ0 इकबाल अहमद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. भारतीय साहित्य– मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. मराठी भाषा और साहित्य– राजमल बोरा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
12. हिंदी और गुजराती नाट्य साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन– रणवीर उपाध्याय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

पंचदश प्रशन–पत्र

विशिष्ट अध्ययन

(क) प्रेमचंद :

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :

1. रंगभूमि
2. कुछ विचार
3. मानसरोवर भाग –1

(**टिप्पणी** : प्रेमचंद का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तकों का संदर्भ केवल व्याख्या के लिए है।)

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कथाकार प्रेमचंद– डॉ0 जाफ़र रजा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कहानीकार प्रेमचंद : रचना दृष्टि और रचना शिल्प– डॉ0 शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रेमचंद और भारतीय समाज– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन– नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. प्रेमचंद और भारतीय किसान– प्रो0 रामबक्ष, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र– नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. प्रेमचंद : व्यक्तित्व और रचना–दृष्टि– दयानंद पाण्डे, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
9. प्रेमचंद के उपन्यास कथा संरचना– मीनाक्षी श्रीवास्तव, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
10. प्रेमचंद के आयाम– ए अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

अथवा

(ख) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :
रामचंद्र शुक्ल ग्रंथवाली :
(व्याख्या हेतु ग्रंथावली का केवल निबंध भाग)

अंक विभाजन :

(1) निबंध भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 25 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. आचार्य रामचंद्र शुक्लः प्रस्थान और परम्परा– डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी आलाचेना की परम्परा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल– डॉ0 शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व– किशोरीलाल व्यास, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल– रामचंद्र तिवारी, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
5. रामचंद्र शुक्ल : एक पुनर्दृष्टि– नीलकमल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के इतिहास की रचना–प्रक्रिया– डॉ0 समीक्षा ठाकुर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का निबंध साहित्यः एक अध्ययन– डॉ0 रूपा आर्या, पब्लिशिंग एण्ड इंस्टीट्यूट, दिल्ली।

अथवा

(ग) कबीरदास

पूर्णांक : 100 (75+25)
निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :
संपा0 श्यामसुंदर दास : **कबीर ग्रंथावली**। (व्याख्या हेतु साखी भाग और आंरभिक 100 पद)।
टिप्पणी : कबीरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।

अंक विभाजन :

(1) काव्य भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक

(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न : 2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न : 5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. युगद्रष्टा कबीर– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी (नैनीताल)।
2. कबीर चिंतन– ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कबीर मीमांसा– डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कबीर : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. कबीर की चिंता– बलदेव वंशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. कबीर का लोकतात्विक चिंतन– सुखबिन्दर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. कबीरदास : विविध आयाम– प्रभाकर श्रोत्रिय (सं0) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

अथवा

(घ) सूरदास

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

संपा0 धीरेन्द्र वर्मा : **सूरसागर सार**।

टिप्पणी : सूरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।

अंक विभाजन :

(1) काव्य भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी : 3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न : 2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न : 5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ

1. महाकवि सूरदास– नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सूरदास : एक अध्ययन– अश्विनी पराशर, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
3. सूरसागर और कृष्णगाथा : एक अध्ययन– चरियान जार्ज, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
4. वैष्णव धर्म संप्रदायों के दार्शनिक सिद्धांत और कृष्ण भक्तिकाव्य– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, ईस्टर्न बुक लिंकर्स दिल्ली।
5. सूरदास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

6. सूरदास– डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
7. सूर की काव्यकला– मनमोहन गौतम।
8. सूर सूर, तुलसी ससी– डॉ0 राकेशगुप्त, ग्रंथायन, अलीगढ़।

अथवा

(ङ) सुमित्रानंदन पंत

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

चिदंबरा– सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

अथवा

तारापथ– सुमित्रानंदन पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

टिप्पणी : सुमित्रानंदन पंत का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तकों से व्याख्या पूछी जाएगी।

अंक विभाजन :

(1) काव्य भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी : 3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न : 2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न : 5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. सुमित्रानन्दन पंत– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
2. सुमित्रानन्दन पंत के साहित्य का ध्वनिवादी अध्ययन– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, ग्रंथायन, अलीगढ़।
3. पंत का उत्तर काव्य– मीरा श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. पंतजी का गद्य– सूर्यप्रसाद दीक्षित, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
5. सुमित्रानंदन पंत : व्यक्ति और कवि, सी0डी0 वशिष्ठ, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
6. पंत का काव्य शिल्प– शिवपालसिंह, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
7. सुमित्रानंदन पंत– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

अथवा

(च) विशिष्ट युग प्रवृत्ति का अध्ययन (छायावाद)

पूर्णांक : 100 (75+25)
निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :
माखनलाल चतुर्वेदी : **आधुनिक कवि** : प्रारंभिक 10 कविताएँ
रामकुमार वर्मा : **10 कविताएँ**
मुकुटधर पाण्डेय : **कश्मीर सुषमा**
जयशंकर प्रसाद : **लहर** : (अंतिम 3 कविताएँ)
सुमित्रानंदन पंत : **पल्लविनी** (प्रारंभिक 10 कविताएँ)
निराला : **अपरा** : (प्रारंभ की 10 कविताएँ)
महादेवी वर्मा : **यामा** : (आरंभिक 10 गीत)

अंक विभाजन :

(1) काव्य भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. छायावाद– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. छायावादी कविता की आलोचनाः स्वरूप और मूल्यांकन– ओमप्रकाश सिंह, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
3. छायावाद और उसके कवि– इन्द्रराज सिंह, तक्षशिला, प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रसाद का काव्य– प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान– डॉ0 केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. छायावाद दर्पण– शुभदा वांजपे, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. जयशंकर प्रसाद : सृष्टि और दृष्टि– डॉ0 कल्याणमल लोढ़ा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
8. सुमित्रानंनद पंत– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
9. साहित्य और समालोचना– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

अथवा

(छ) हिंदी पत्रकारिता

पूर्णांक : 100 (75+25)

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ।
3. हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास।
4. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व– समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
5. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत– शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचारपत्र की
प्रस्तुति–प्रक्रिया।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना।
7. दृश्यों सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्रॉफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न स्रोत।
9. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।
10. पत्रकारिता से संबंधित लेखन : संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन
(फालोअप) आदि की प्रविधि।
11. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता : रेडियो, टी0वी0, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट
की पत्रकारिता।
12. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ–सज्जा।
13. पत्रकारिता का प्रबंधन– प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।
14. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार।
15. मुक्त प्रेस की अवधारणा।
16. लोक–संपर्क तथा विज्ञापन।
17. प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
18. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
19. प्रजातंत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न : 3 X 15 = 45 अंक
(3) चार लघूत्तरीय प्रश्न : 4 X 5 = 20 अंक
(4) 10 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन पत्रकारिता संबंधी प्रायोगिक कार्य (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता– डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास– अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी पत्रकारिता हमारी विरासत (दो खण्ड)– शंभुनाथ (सं0), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. मीडिया और लोकतंत्र– डॉ0 रवीन्द्र नाथ मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. साहित्यिक पत्रकारिता– ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. संचार माध्यम लेखन– गौरीशंकर रैणा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. विज्ञान पत्रकारिता– डॉ0 मनोज पटैरिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. पत्रकारिता के नए आयाम– एस0के0 दुबे, लोकभारती, प्रकाशन इहालाबाद।
10. पत्रकारिता के विविध आयाम– राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम– संजीव भानावत, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
13. संचार और पत्रकारिता के विविध आयाम– ओमप्रकाश सिंह, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
14. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया– डॉ0 सुधीर सोनी, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
15. आधुनिक समाचार पत्र प्रबंधन– अनिल कुमार पुरोहित, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
16. व्यावहारिक हिन्दी– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

अथवा

(ज) अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग

पूर्णांक : 100 (75+25)

1. अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ।
2. अनुवाद का स्वरूप : अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प।
3. अनुवाद की इकाई : शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।
4. अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद–प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ–संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद–प्रक्रिया की प्रकृति।
5. अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत।
6. अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार : कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि।
7. अनुवाद की समस्याएँ : सुजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, विधि–साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।
8. अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि।

9. अनुवाद : पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन।
10. मशीनी अनुवाद।
11. अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य।
12. अनुवादक के गुण।
13. पाठ की अवधारणा और प्रकृति : पाठ शब्द, प्रति शब्द।
शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।
14. व्यावहारिक अनुवाद : प्रश्नपत्र में दिए गए अंग्रेजी अवतरण का हिंदी अनुवाद।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन : व्यावहारिक अनुवाद :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य– डॉ0 रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपेरखा– डॉ0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. अनुवाद–कार्यदक्षता : भारतीय भाषाओं की समस्याएँ– महेन्द्रनाथ दुबे (सं.), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. भारतीय भाषाएँ और हिंदी अनुवाद समस्या समाधान– डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग– जी0 गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. अनुवाद की समस्याएँ– जी0 गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. अनुवाद के विविध आयाम– डॉ0 पूरनचंद्र टण्डन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

अथवा
(झ) लघु शोधप्रबंध

पूर्णांक : 100

टिप्पणी : जिन संस्थागत विद्यार्थियों ने एम0ए0 पूर्वार्द्ध (हिंदी) परीक्षा में 55 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हों, वे पंचदश प्रश्नपत्र के विकल्प में विभागाध्यक्ष द्वारा निर्दिष्ट विभागीय प्राध्यापक के निर्देशन में लघु–शोध प्रबंध प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसका मूल्यांकन निर्देशक तथा बाह्य परीक्षक द्वारा पचास–पचास अंकों में किया जाएगा। लघु शोध–प्रबंध का टंकित कलेवर यथासंभव सौ पृष्ठों से अधिक का नहीं होना चाहिए।

लघु–शोध–प्रबंध को लिखित परीक्षा प्रारंभ होने से पन्द्रह दिन पूर्व निर्देशक के माध्यम से एक प्रतिलेख के लिए संबंधित संस्था के हिंदी विभागाध्यक्ष के कार्यालय में तथा दो प्रतियाँ कुलसचिव (परीक्षा) कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में संबंधित विद्यार्थी को जमा करनी होगी।

षोडश प्रश्न–पत्र :

मौखिकी : **पूर्णांक : 100**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

<u>टिप्पणी</u> : एम0ए0 पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध (हिंदी) के पाठ्यक्रम के आलोक में लिखित परीक्षा की समाप्ति के पश्चात् हिंदी विभाग में निर्धारित तिथि को मौखिक परीक्षा संपन्न होगी, जिसकी सूचना परीक्षार्थियों को विभाग द्वारा दी जाएगी। मौखिकी के समय समस्त परीक्षार्थियों को एम0ए0 पूर्वार्द्ध की अपनी मूल अंक–तालिका परीक्षकों के समक्ष अवलोकनार्थ अनिवार्यतः प्रस्तुत करनी होगी।

(प्रो0 एस0एस0बिष्ट)

अध्यक्ष एवं संयोजक
हिंदी विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय
एस0एस0जे0 परिसर, अल्मोड़ा